Dainik Bhaskar (Indore), 25th March 2021, Page-2

आईआईटी का शोध, सार्स-कोव-2 के 5.5 हजार से ज्यादा रूप मौजूद हैं

इंदौर | आईआईटी इंदौर ने अपने एक शोध में दावा किया है कि दुनियाभर में सार्स-कोव-2 वायरस के साढ़े पांच हजार से ज्यादा म्यूटेशन यानी बदले हुए रूप फिलहाल मौजूद हैं। ये म्यूटेशन वायरस की सतह पर मौजूद प्रोटीन में होते हैं। इसी वजह से वायरस का रूप भी बदलता रहता है। संस्थान के प्रोफेसर हेमचंद्र झा सहित छह अन्य शोधार्थियों द्वारा किया गया ये शोध हेलियॉन जरनल में प्रकाशित हो चुका है।